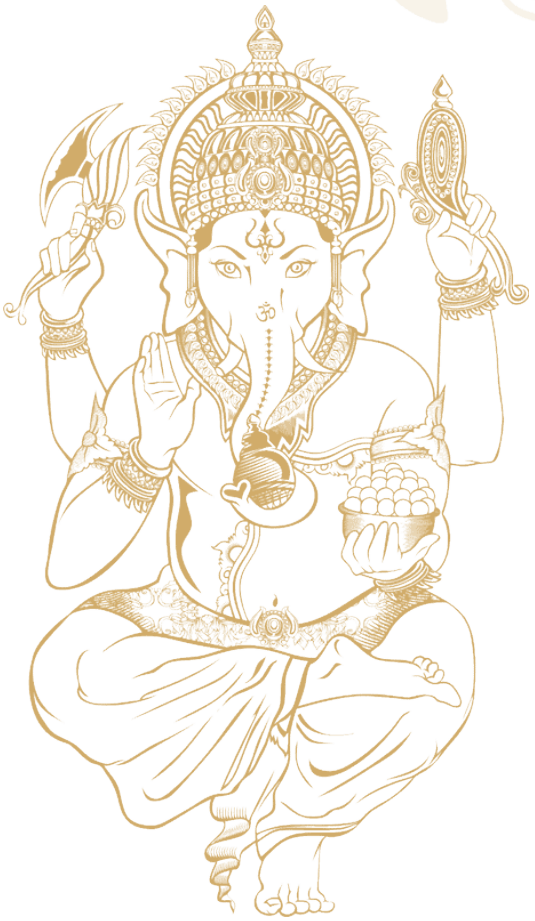

Mr.

29 Feb 2000

10:04 AM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121706809

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/02/2000**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**10:04:00 घंटे**
इष्ट	08:30:15 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:48:16 घंटे
वेलान्तर	-00:12:32 घंटे
साम्पातिक काल	20:21:30 घंटे
सूर्योदय	06:39:53 घंटे
सूर्यास्त	18:16:55 घंटे
दिनमान	11:37:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	16:02:22 कुम्भ
लग्न के अंश	22:09:13 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सिद्धि
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	22:09:13	424:59:07	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कुंभ	16:02:22	01:00:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	08:01:17	11:48:35	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल			मीन	19:08:00	00:45:07	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	मित्र राशि
बुध	व	अ	कुंभ	18:57:37	00:59:26	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मेष	08:39:47	00:11:19	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मक	19:43:06	01:14:08	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	मित्र राशि
शनि			मेष	18:29:07	00:04:52	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु			कर्क	09:20:09	00:01:35	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			मक	09:20:09	00:01:35	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	24:15:02	00:03:18	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप			मक	11:29:05	00:01:58	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	18:58:47	00:00:32	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			मक	09:13:11	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:20

लग्न-चलित

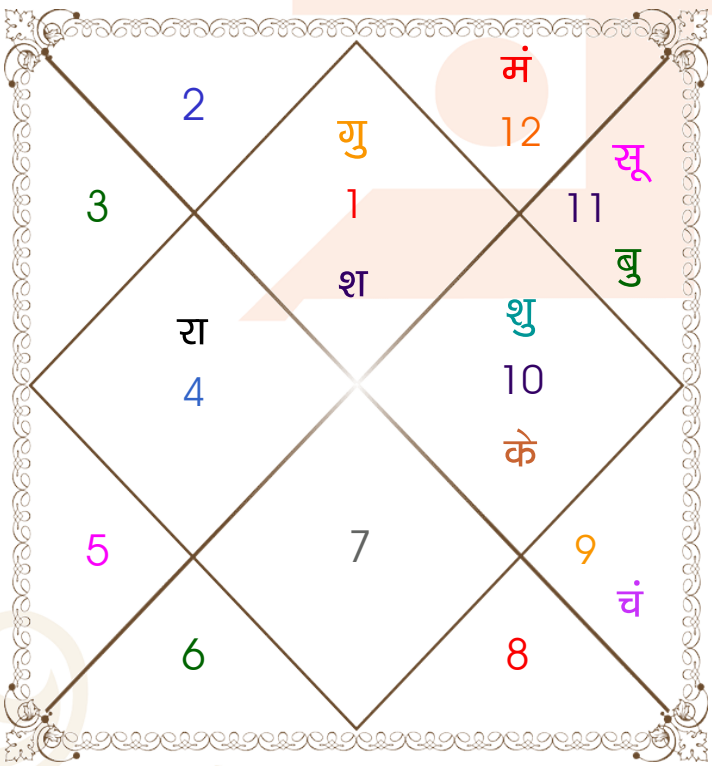

चन्द्र कुंडली

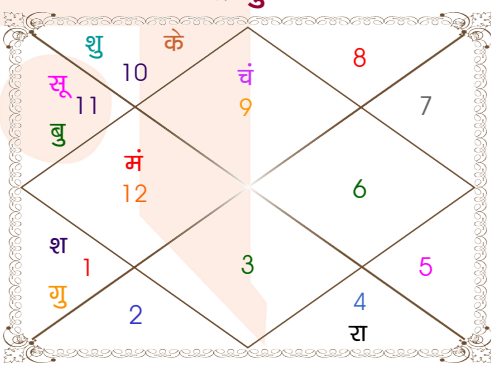

नवमांश कुंडली

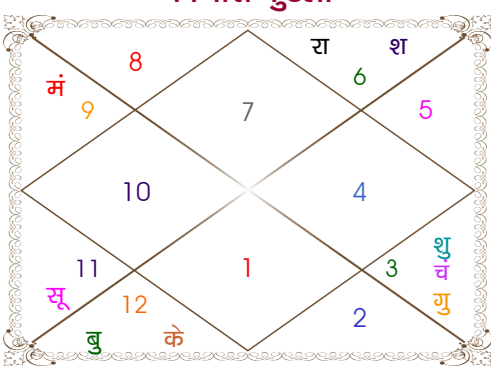

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 9 मास 14 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
29/02/2000		14/12/2002		14/12/2022		13/12/2028		14/12/2038	
14/12/2002		14/12/2022		13/12/2028		14/12/2038		13/12/2045	
	00/00/0000	शुक्र	14/04/2006	सूर्य	02/04/2023	चंद्र	13/10/2029	मंगल	12/05/2039
	00/00/0000	सूर्य	14/04/2007	चंद्र	02/10/2023	मंगल	14/05/2030	राहु	29/05/2040
	00/00/0000	चंद्र	13/12/2008	मंगल	07/02/2024	राहु	13/11/2031	गुरु	05/05/2041
	00/00/0000	मंगल	12/02/2010	राहु	31/12/2024	गुरु	14/03/2033	शनि	14/06/2042
	00/00/0000	राहु	12/02/2013	गुरु	19/10/2025	शनि	14/10/2034	बुध	11/06/2043
	29/02/2000	गुरु	14/10/2015	शनि	01/10/2026	बुध	14/03/2036	केतु	07/11/2043
गुरु	06/11/2000	शनि	14/12/2018	बुध	08/08/2027	केतु	13/10/2036	शुक्र	06/01/2045
शनि	16/12/2001	बुध	13/10/2021	केतु	14/12/2027	शुक्र	14/06/2038	सूर्य	14/05/2045
बुध	14/12/2002	केतु	14/12/2022	शुक्र	13/12/2028	सूर्य	14/12/2038	चंद्र	13/12/2045

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/12/2045		14/12/2063		14/12/2079		14/12/2098		15/12/2115	
14/12/2063		14/12/2079		14/12/2098		15/12/2115		00/00/0000	
राहु	25/08/2048	गुरु	31/01/2066	शनि	17/12/2082	बुध	12/05/2101	केतु	12/05/2116
गुरु	19/01/2051	शनि	13/08/2068	बुध	26/08/2085	केतु	09/05/2102	शुक्र	12/07/2117
शनि	25/11/2053	बुध	19/11/2070	केतु	05/10/2086	शुक्र	09/03/2105	सूर्य	17/11/2117
बुध	13/06/2056	केतु	26/10/2071	शुक्र	04/12/2089	सूर्य	14/01/2106	चंद्र	18/06/2118
केतु	02/07/2057	शुक्र	26/06/2074	सूर्य	16/11/2090	चंद्र	15/06/2107	मंगल	14/11/2118
शुक्र	02/07/2060	सूर्य	14/04/2075	चंद्र	16/06/2092	मंगल	11/06/2108	राहु	03/12/2119
सूर्य	26/05/2061	चंद्र	13/08/2076	मंगल	26/07/2093	राहु	30/12/2110	गुरु	01/03/2120
चंद्र	25/11/2062	मंगल	20/07/2077	राहु	01/06/2096	गुरु	06/04/2113		00/00/0000
मंगल	14/12/2063	राहु	14/12/2079	गुरु	14/12/2098	शनि	15/12/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 9 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।